SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वी वार्षिक रिपोर्ट

th Annual Report

2 0 0 0 - 2 0 0 1

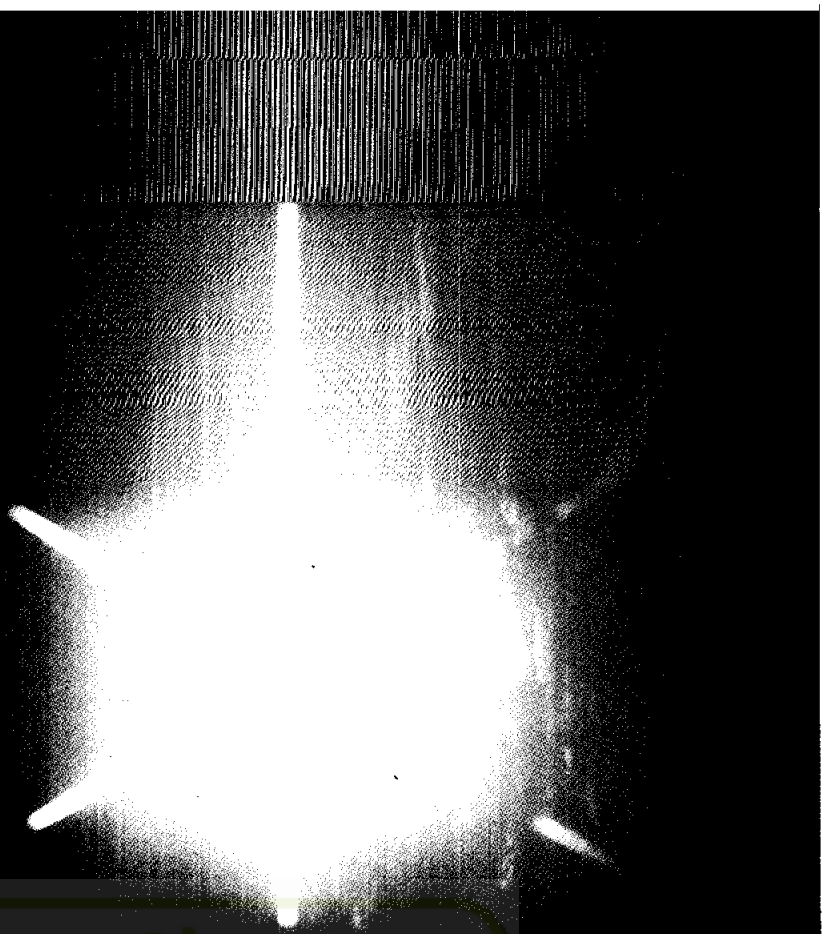

ReportJunction.com

हमारे
स्वप्न
दिशाएँ
गन्तव्य

Our
Dreams
Direction
Destination

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निगम के सदस्य
Members of the Corporation

श्री ज्ञानेंद्र बाजपेयी, अध्यक्ष
Shri G. N. Bajpai, Chairman

श्री ए. राममूर्ति, प्रबंध निदेशक
Shri A. Ramamurthy,
Managing Director

श्री एन. सी. शर्मा, प्रबंध निदेशक
Shri N. C. Sharma,
Managing Director

श्री एस. के. पुरकायस्थ
Shri S. K. Purkayastha

श्री डी. सेनगुप्ता
Shri D. Sengupta

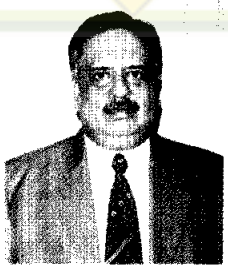

श्री एम. दामोदरन
Shri M. Damodaran

डा. एस. ए. दवे
Dr. S. A. Dave

श्री आर. पी. चितले
Shri R. P. Chitale

प्रो. जहर साहा
Prof. Jahar Saha

डा. जी. गोस्वामी
Dr. G. Goswami

न्यायमूर्ती (सेवानिवृत्त)
पी. एस. सहाय
Mr. Justice (Retd.)
P. S. Sahay

डा. श्रीराम खन्ना
Dr. Sri Ram Khanna

प्रो. रावसाहेब कसबे
Prof. Raosaheb Kasbe

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

44वीं वार्षिक रिपोर्ट
44th Annual Report
2000 - 2001

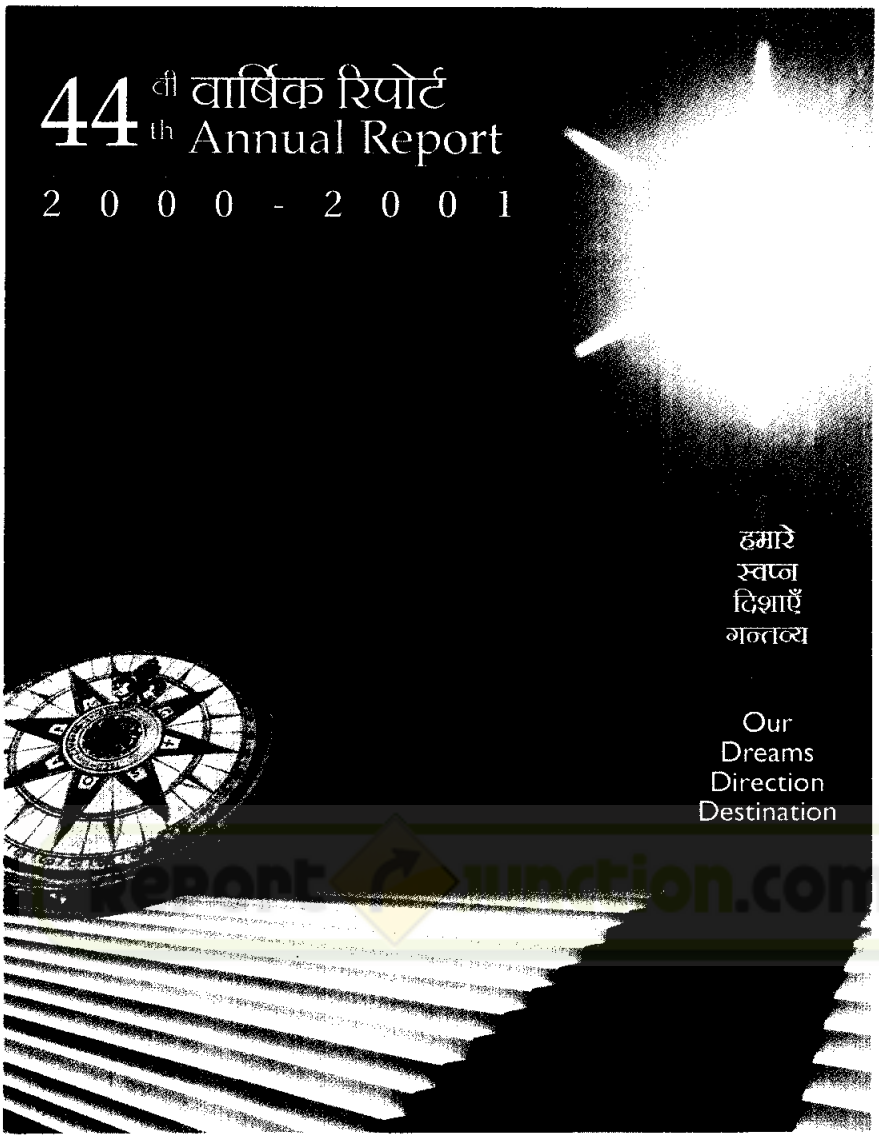

योगक्षेमं वहाम्यहम्

भारतीय जीवन बीमा निगम

Life Insurance Corporation of India

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

31 मार्च, 2001 को निगम के वरिष्ठ प्रशासक

श्री ज्ञानेन्द्र बाजपेयी
अध्यक्ष

श्री ए. राममूर्ति
प्रबंध निदेशक

श्री एन.सी. शर्मा
प्रबंध निदेशक

श्री ओ.पी. दुबे
क्षेत्रिय प्रबंधक, क्षे. का., कलकत्ता

श्री पी. वी. सुब्रमणियन
कार्यकारी निदेशक (वि.एवं.अं.प्र.)

श्री बी.सी. बोस
कार्यकारी निदेशक (कार्मिक)

श्री क्रांती सिन्हा
प्रमुख कार्यकारी, जी.बी.नि.- गृ.वि.म.

श्री एच.एच. फारुकी
कार्यकारी निदेशक (जनसंपर्क एवं प्रचार)

श्री एच.पी. सिंह
क्षेत्रिय प्रबंधक, क्षे.का., कानपुर

श्री आर. चंद्रशेखरन
क्षेत्रिय प्रबंधक, क्षे.का., दिल्ली

श्री जे.एस. भंडारी
कार्यकारी निदेशक (निरीक्षण)

श्री धर्मानंद मिश्रा
कार्यकारी निदेशक (पे.एवं स.यो.)

श्री पी.ए. बालसुब्रमणियन
कार्यकारी निदेशक (निवेश/बीमांकन)

श्री सी.एच. महादेवन
क्षेत्रिय प्रबंधक, क्षे.का., हैदराबाद

श्री के.एस. डे
कार्यकारी निदेशक (सं.एवं का.से.)

श्री टी. के. बैनर्जी
क्षेत्रिय प्रबंधक, क्षे.का., चेन्नई

श्री एम.आर. मुरली
प्रमुख कार्यकारी, जी.बी.स.एवं ए.मै.कं.

श्री वी. रमणन
महाप्रबंधक, जी. बी.स. एवं ए.मै.कं.

श्री के.एस.के. खरे
कार्यकारी निदेशक (विधि एवं आ.सं.वि.)

श्री वी. रामकृष्णन
प्रमुख सतर्कता अधिकारी, सा.बी.नि., मुंबई (प्रतिनियुक्तीपर)

श्री चन्द्रभा राम
कार्यकारी निदेशक (मा.सं.वि./सं.वि./सं.सु.प्र)

श्री एस. बी. माथुर
क्षेत्रिय प्रबंधक, क्षे.का., मुंबई

श्री दिलीप चैटर्जी
कार्यकारी निदेशक, (सतर्कता)

श्री के. महापात्रा
प्रमुख सतर्कता अधिकारी, नै.इ., कोलकत्ता (प्रतिनियुक्तीपर)

श्री ए. एस. राजन
प्रमुख (लेखा परिक्षण)

श्री एस. पांडे
प्रमुख सर्तकता अधिकारी, न्यु.इंडिया अ.कं.लि.(प्रति.नि.)

श्री सी. एस. माधवराव
प्रादेशिक प्रबंधक (का.एवं औ.सं.) क्षे.का.चेन्नई

श्रीमती माया वर्मा
प्रमुख (सू.प्रौ.)

श्री एम. एम. मुखर्जी
प्रादेशिक प्रबंधक (विपणन) क्षे.का., चेन्नई

श्री एन. रामासुब्रमणियन
प्रमुख (विपणन-ग्रा.से.)

श्री आर. के. श्रीवास्तव
प्रादेशिक प्रबंधक, (का.एवं औ.सं.) क्षे.का., हैदराबाद

श्री पी. एम. एम. के. अवधानी
प्रादेशिक प्रबंधक, (सं.एवं का.से.) क्षे.का., हैदराबाद

श्री एम. एल. चावला
प्रमुख सतर्कता अधिकारी, ओ.इ.कं.लि., दिल्ली (प्रतिनियुक्ति पर)

श्री पी. के. बहल
प्रादेशिक प्रबंधक (विपणन) क्षे.का., दिल्ली

श्री एच. आर. लास्कर
प्रमुख (नि.यो.)

श्री सी. एम. भार्गव
क्षेत्रिय प्रबंधक, क्षे.का., भोपाल

श्री एस. सी. कपूर
प्रादेशिक प्रबंधक, (का.एवं औ.सं.) क्षे.का., दिल्ली

श्री डी. के. शुक्ला
प्रादेशिक प्रबंधक (विपणन) क्षे.का., कोलकता

श्री एस. के. सखूजा
प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

श्री एन. पी. बाली
प्रादेशिक प्रबंधक, (विपणन), क्षे.का., मुंबई

श्री के. वैद्यलिंगम
प्रादेशिक प्रबंधक, (विपणन), क्षे.का., हैदराबाद

श्री आर. के. मिश्रा
प्रादेशिक प्रबंधक, (विपणन), क्षे.का., कोलकता

श्री एस. सी. जैन
प्रादेशिक प्रबंधक (का. एवं औ. सं.), क्षे.का., कोलकता

श्री एस. बी. कुंवर
प्रादेशिक प्रबंधक, (का. एवं का.से.), क्षे.का., मुंबई

श्री आर. डी. दामले
प्रादेशिक प्रबंधक (का.एवं औ.सं.) क्षे.का., कानपुर

श्री जे. पी. गांधी
प्रादेशिक प्रबंधक (का.एवं औ.सं.) क्षे.का., मुंबई

श्री धर्मेन्द्र कुमार
प्रादेशिक प्रबंधक (स.एवं का.से.) क्षे.का., दिल्ली

श्री एस. आर. कृष्णास्वामी
प्रादेशिक प्रबंधक, (विपणन), क्षे.का., चेन्नई

श्री वी. वैद्यनाथन
प्रादेशिक प्रबंधक, (सं.एवं का.से.), क्षे.का., भोपाल

श्री जे. एस. झाला
प्रमुख (निवेश)

श्री एस. लक्ष्मणन
प्रमुख (पे. एवं स.यो.)

श्री आर. एन. भारद्वाज
प्रमुख (निवेश)

श्री आर. के. वशिष्ठ
प्रादेशिक प्रबंधक (विपणन) क्षे.का., भोपाल

श्री पी. जगजीत सिंह
प्रादेशिक प्रबंधक, (विपणन), क्षे.का., मुंबई

श्री वी. के. गुरुस्वामी
प्रमुख (भवन)

श्री जी. वी. अय्यर
प्रमुख अभियंता, क्षे.का., कोलकता

श्री जी. राजगोपाल
प्रमुख अभियंता, क्षे.का., चेन्नई

श्री वाय. एन. राममूर्ती
प्रमुख अभियंता, क्षे.का., हैदराबाद

श्री वी. वेंकटरमण
प्रमुख अभियंता, क्षे.का., नई दिल्ली

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Sr. Executives of the Corporation as on 31.3.2001

Shri G. N. Bajpai
Chairman

Shri A. Ramamurthy
Managing Director

Shri N. C. Sharma
Managing Director

Shri O. P. Dubey
ZM(I/C), ZO, Kolkata

Shri P. V. Subramanian
ED (Mktg. Intl. Opm.)

Shri B. C. Bose
ED (Personnel)

Shri Kranti Sinha
Chief Executive (LIC-HFL)

Shri H. H. Faruqi
ED (PR & Publicity)

Shri H. P. Singh
ZM (I /C), ZO, Kanpur

Shri R. Chandrasekaran
ZM (I/C), ZO Delhi

Shri J. S. Bhandari
ED (Inspection)

Shri Dharmananda Mishra
ED (P. & GS)

Shri P. A. Balsubramanian
ED (Investment/Actl.)

Shri C. H. Mahadevan
ZM (I/C), ZO, Hyderabad

Shri K. S. De
ED (E&OS)

Shri T. K. Banerjee
ZM (I/C), ZO, Chennai

Shri M. R. Murali
Chief Executive, JBS AMC

Shri V. Ramanan
Chief Gen. Manager, JBS AMC

Shri K. S. K. Khare
ED (Legal & HPF)

Shri V. Ramakrishnan
CVO (On Deputation) GIC

Shri Chandrama Ram
ED (HRD/OD/OIC)

Shri S. B. Mathur
ZM(I/C), ZO , Mumbai

Shri Dilip Chatterjee
ED (Vigilance)

Shri K. Mahapatra
CVO (On Deputation) National Ins., Kolkata

Shri A. S. Rajan
Chief (Audit)

Shri S. Pandey
CVO(On Deputation) New India Assu., Mumbai

Shri C. S. Madhavrao
RM (P&IR) , ZO, Chennai

Shri Maya Verma
Chief (Info. Tech.)

Shri M. M. Mukherjee
RM (Mktg.), ZO, Kanpur

Shri N. Ramasubramanian
Chief (Mktg.-CS)

Shri R. K. Srivastava
RM (P&IR), ZO, Hyderabad

Shri P.M.M.K. Avadhani
RM (E&OS), ZO, Hyderabad

Shri M. L. Chawla
CVO(On Depu.), Oriental Ins. Co. Ltd., Delhi

Shri P. K. Behl
RM (Mktg.), ZO, Delhi

Shri H. R. Laskar
Chief(Corp. Plng.)

Shri C. M. Bhargava
ZM (I/C), ZO, Bhopal

Shri S. C. Kapur
RM(P&IR), ZO, Delhi

Shri D. K. Shukla
RM (Mktg.), ZO, Kolkata

Shri S. K. Sakhuja
Chief (F&A)

Shri N. P. Bali
RM (Mktg.), ZO, Mumbai

Shri K. Vaidyalingam
RM (Mktg.), ZO, Hyderabad

Shri R. K. Mishra
RM (Mktg.), ZO, Kolkata

Shri S. C. Jain
RM (P & IR), ZO, Kolkata

Shri S. B. Kunwar
RM (E&OS), ZO, Mumbai

Shri R. D. Damle
RM (P&IR), ZO, Kanpur

Shri J. P. Gandhi
RM (P&IR), ZO, Mumbai

Shri Dharmendra Kumar
RM(E&OS), ZO, Delhi

Shri S. R. Krishnaswamy
RM (Mktg.), ZO, Chennai

Shri V. Vaidyanathan
RM (E&OS), ZO, Bhopal

Shri J. S. Zala
Chief (Investment)

Shri S. Lakshmanan
Chief (P&GS)

Shri R. N. Bhardwaj
Chief (Investment)

Shri R. K. Vashistha
RM (Mktg.), ZO, Bhopal

Shri P. Jagjit Singh
RM (Mktg.), ZO, Mumbai

Shri V. K. Guruswamy
Chief (Bldg.)

Shri G. V. Iyer
Chief Engineer, ZO, Kolkata

Shri G. Rajgopal
Chief Engineer, ZO, Chennai

Shri Y. N. Ramamurthy
Chief Engineer, ZO, Hyderabad

Shri V. Venkatraman
Chief Engineer, ZO, New Delhi

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

पृष्ठ

विषय सूची

प्रस्तावना, आर्थिक परिदृश्य 10

खंड I– प्रचालन परिणाम जीवन बीमा व्यवसाय 10

खंड II– नव व्यवसाय (व्यक्तिगत बीमा)
प्रथम बीमा, ग्रामीण व्यवसाय पर बल, उत्पाद विकास, बीमांकन, वेतन बचत योजना, बीमा राशि एवं बीमा तालिकाओं के अनुसार नव व्यवसाय का वितरण, वार्षिकियाँ, समूह बीमा, सामाजिक सुरक्षा समूह बीमा योजना 12

खंड III– जारी व्यवसाय
पूँजी मोचन तथा निर्धारित वार्षिकी व्यवसाय, कालातीत पालिसियाँ, पालिसियों का सांविधिक विवरण, मूल्यन 28

खंड IV– निवेश परिचालन
समग्र निधि, निवेशों का खंड, क्षेत्र, राज्य एवं उद्योगवार वितरण, विदेशी निवेश, वर्ष के दौरान निवेश, ऋण, पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों में निवेश, अल्पावधि मुद्रा बाजार में निधि का परिनियोजन, निवेश आरक्षण निधि, गृह निर्माण विकास, भवन विभाग के कार्यकलाप, पूर्ण किए नए भवन, निर्माणाधीन भवन परियोजनाएँ, संपदा. 38

खंड V– पालिसी धारक सेवाएँ
दावों का भुगतान, दावा पुनरीक्षण समिति, ग्राहक शिकायत निवारण, शिकायतें, नागरिक घोषणा पत्र, ग्राहक संबंध समिति, गणेशन् समिति की सिफारिशों को कार्यान्वित करने हेतु उपाय, सूचना प्रौद्योगिकी का उन्नयन, 40

खंड VI– कार्मिक एवं कर्मचारी संबंध
कर्मचारी संबंध, कर्मचारियों की संख्या, अनुसूचित जाति / जनजातियों एवं अन्य पिछडे वर्गों के लिए आरक्षण, भूतपूर्व सैनिक कर्मचारी, शारीरिक रुप से विकलांग, खेलकूद, मानव संसाधन विकास/संघटन विकास, प्रशिक्षण (2000-2001), भर्ती 44

खंड VII– अभिकर्ता
मिलियन डॉलर राउण्ड टेबल (एम.डी.आर.टी.), अभिकर्ता क्लब सदस्यता, वृत्तिक अभिकर्ता योजना, क्षेत्र कर्मियों का प्रशिक्षण 44

खंड VIII– सामाजिक उत्तरदायित्व 50

खंड IX– विविध कार्यकलाप
जी.बी.नि. गृह वित्त लि., जी.बी.नि. सहयोग निधि एवं जीवन बीमा सहयोग एसेट मैनेजमेंट कं.लि., जी.बी.नि. (अंतरराष्ट्रिय) ई.सी. 54

खंड X– जनसंपर्क, प्रचार और अन्य गतिविधियाँ
भारत के कार्यालय, विदेश कार्यालय, आंतरिक लेखा परिक्षण, निरीक्षण, सतर्कता, राजभाषा कार्यान्वयन, नैगम अभिशासन, विभिन्न समितियों की बैठकें जीवन बीमा निगम अधिनियम के अंतर्गत निर्देश, विदेश यात्रा व्यय, लेखा परीक्षक 60

खंड XI 2001-2002 के लिए योजनाएं

अभिस्वीकृति

परिशिष्ट 64

I - निगम, कार्यकारी समिति, निवेश समिति, भवन सलाहकार समिति, ग्राहक कार्य समिति, लेखा परीक्षण समिति, क्षेत्रीय सलाहकार समिति, केन्द्रीय लेखा परीक्षक एवं बीमाधारी परिषद के सदस्य 76

II - विवरण 1. नव व्यवसाय एवं जारी व्यवसाय 77
विवरण 2. भारत में नव व्यवसाय की माहवार प्रगति 78
विवरण 3. बीमा तालिकाओं के अनुसार नये व्यवसाय का वितरण 79

III - विवरण 1 से 5 पालिसियों का सांविधिक विवरण 77 LH

IV - बकाया दावों का विश्लेषण 87

V - विवरण 1 से 6 - निवेश परिचालन 109

VI - विभिन्न बंधक योजनाओं के अंतर्गत बंधक ऋण 111

VII - विवरण 1 से 3 कर्मचारियों की संख्या, अनुसूचित जातियों / जनजातियों के लिए आरक्षण, भूतपूर्व - सैनिक कर्मचारी 114 LH

VIII - शिकायतों का विश्लेषण 115

लेखों के वित्तीय विवरण
लेखा परिक्षकों की रिपोर्ट, महत्वपूर्ण लेखा नितियाँ, तुलन-पत्र, राजस्व लेखा 134

अनुसूचियाँ
1. ऋण 2. विदेश में पालिसियों के धारकों के लिए उन देशों में जमानत के रूप में जमाराशियाँ 3. अन्य प्रतिभूतियाँ और शेयर 4. फुटकर देनेदारी, अग्रीम तथा जमाराशियाँ 5. प्रबंध व्यय (जीवन बीमा व्यवसाय) 6. टिप्पणियाँ, प्रपत्र एए - भारतीय परिसंपत्तियों का वर्गीकृत सारांश 14

पूँजी मोचन (निर्धारित वार्षिकी सहित) बीमा व्यवसाय
तुलन-पत्र, राजस्व लेखा, लाभ व हानि लेखा, लाभ व हानि विनियोग लेखा, अनुसूची क - अन्य प्रतिभूतियाँ और शेयर, प्रबंध व्यय प्रपत्र एए - भारतीय परिसंपत्तियों का वर्गीकृत सारांश. 15

जीवन सुरक्षा बीमा व्यवसाय
तुलन-पत्र, राजस्व लेखा, प्रपत्र एए - भारतीय परिसंपत्तियों का वर्गीकृत सारांश. 1

सामान्य तुलन पत्र

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

CONTENTS

PAGE

Preamble, Economic Scenario

PART I - WORKING RESULTS - LIFE INSURANCE BUSINESS 11

PART II - NEW BUSINESS 11
First Insurance, Rural Thrust, Product Development, Underwriting, Salary Saving Scheme, Distribution of New Business according to Sum Assured and Plans of Insurance, Annuities, Group Insurance, Social Security Group Insurance Scheme.

PART III - BUSINESS IN FORCE 13
Capital Redemption and Annuity Certain Business, Lapsation of Policies, Statutory Statements regarding Policies, Valuation.

PART IV - INVESTMENT OPERATIONS 29
Total Fund, Distribution of Investment-Sector wise, Zone wise & State wise and Industry wise, Foreign Investments, Investment during the year, Loan, Investment in Public Limited Companies, Deployment of funds in Short-Term Money Market, Investment Reserve, Housing Development, Building Activities, Buildings Completed, Building Projects under Construction, Estates.

PART V - POLICY HOLDERS' SERVICING 39
Settlement of Claims, Claims Review Committee, Customers' Grievance Redressal, Complaints, Citizen's Charter, Consumer Affairs Committee, Implementation of Ganesan Committee Recommendations, upgradation of information Technology.

PART VI - PERSONNEL AND EMPLOYEE RELATIONS 41
Employee Relations, Staff Strength, Reservation of SC/ST & OBC, Ex-servicemen Employees, Physically Handicapped, Sports, HRD/OD/OIC Training 2000-2001, Recruitment.

PART VII - AGENTS 45
Million Dollar Round Table (MDRT), Agents' Club Membership, Career Agents Scheme, Training of Field Personnel.

PART VIII - SOCIAL RESPONSIBILITIES 45

PART IX - DIVERSIFIED ACTIVITIES 51
LIC Housing Finance Ltd. (LIC HFL), LIC Mutual Fund & Jeevan Bima Sahyog Asset Management Company (JBS AMC Ltd.), LIC (International) E.C. Bahrain

PART X - PUBLIC RELATIONS, PUBLICITY & OTHER ACTIVITIES 55
Offices in India, Foreign Operations, Internal Audit, Inspection, Vigilance, Official Language Implementation, Corporate Governance, Meetings of various Committees Direction under LIC Act, Expenses on Foreign Tours, Auditors

PART XI - PLANS FOR 2001-2002 61
Acknowledgement

APPENDICES

I	-	Members of the Corporation, Executive Committee, Investment Committee, Bldg. Advisory Committee, Consumer Affairs Committee, Audit Committee, Zonal Advisory Boards, Statutory (Central) Auditors and Policyholders' Councils	64
II	-	Statement 1. New Business & Business in Force	76
		Statement 2. Month-wise Progress of New Business	77
		Statement 3. Distribution of New Business according to plans of Insurance	78
III	-	Statement 1 to 5 Statutory Statements regarding Policies	79
IV	-	Analysis of Outstanding Claims	77 LH
V	-	Statement 1 to 6 Investment Operations	87
VI	-	Mortgage Loans under various Mortgage Schemes	109
VII	-	Statement 1 to 3 Number of Employees, Reservation for SCs & STs, Ex servicemen employees	111
VIII	-	Analysis of Complaints	114 LH

FINANCIAL STATEMENTS OF ACCOUNTS 115
Auditors' Report, Significant Accounting Policies, Balance Sheet, Revenue Account

SCHEDULES 134
1. Loans, 2. Deposits in Foreign Territories as security for the owners of policies issued in those Territories 3. Other Securities & Shares 4. Sundry Debtors, Advances & Deposits 5. Expenses of Management (Life Insurance Business) 6. Notes, Form AA - Classified summary of the Assets in India.

CAPITAL REDEMPTION (INCLUDING ANNUITY CERTAIN) INSURANCE BUSINESS 144
Balance Sheet, Revenue Account, Profit & Loss Account, Profit & Loss Appropriation Account, schedule A - Other Securities and Shares, Expenses of Management Form AA - Classified Summary of Assets in India.

JEEVAN SURAKSHA INSURANCE BUSINESS 157
Balance Sheet, Revenue Account, Form AA - Classified Summary of Assets in India.

GENERAL BALANCE SHEET 165

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

आमुख

1. भारतीय जीवन बीमा निगम को 31.3.2001 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 की धारा 27 के अन्तर्गत अपनी 44वीं सांविधिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने में हर्ष अनुभव हो रहा है।

2. निगम के सदस्यों तथा वर्ष के दौरान इसकी विभिन्न समितियों के नाम परिशिष्ट-I में दिए गए हैं।

आर्थिक परिदृश्य :

3. भारतीय अर्थव्यवस्था ने वर्ष 2000-01 में कच्चे तेल के अंतर्राष्ट्रीय मूल्य में महत्वपूर्ण वृद्धि, घरेलू उद्योग, कृषि तथा सेवा क्षेत्रों की वृद्धि दर में मंदन तथा गुजरात में भयंकर भूकंप के कारण प्रतिकूल सामाजिक तथा आर्थिक परिणामों के बावजूद भी 5.2 प्रतिशत की वास्तविक स.घ.उ. (जी.डी.पी.) वृध्दि दर दर्ज करके असाधारण लचीलापन दर्शाया है। यद्यपि यह वृध्दि दर पिछले वर्ष की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृध्दि दर की अपेक्षा कम थी तथापि अन्य विकासशील (चीन को छोड़कर) तथा विकसित देशों के मुकाबले काफी अनुकूल थी।

4. वर्ष 2000-01 में आर्थिक सुधार कार्यक्रम चलते रहे तथा केंद्रिय सरकार ने उद्योग, आधारभूत ढाँचा, प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष कर, वित्तीय व्यवस्था, आर्थिक क्षेत्र, व्यापार नीति तथा पूंजी लेखा को सम्मिलित करते हुए कई कदम उठाये है। बीमा नियंत्रण एवं विकास प्राधिकारी (आई.आर.डी.ए.) की स्थापना की गई, बीमा क्षेत्र खोल दिया गया तथा निगमित सदनों, आर्थिक संगठनों, बैंकों तथा गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एन.बी.एफ.सी.एस.) को विदेशी साझेदारों के सहयोग के साथ या उनके बिना सहयोग के बीमा बाजार में प्रवेश की अनुमति दी गई।

वर्ष 1999-2000 में 6.4 प्रतिशत के मुकाबले वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृध्दि दर (1993-94 के मूल्यों पर) वर्ष 2000-01 के लिए 5.2 प्रतिशत आकलित की गयी है। वास्तविक स.घ.उ. की वृध्दि दर में मंदी कृषि की वृध्दि दर में 1999-2000 में 0.7 प्रतिशत से 2000-01 में 0.2 प्रतिशत तथा इसी अवधि में उद्योग में 6.1 प्रतिशत से 5.3 प्रतिशत तथा सेवाक्षेत्र में 9.4 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत की गिरावट के कारण थी। सेवाक्षेत्र की वृध्दि दर में धीमापन सभी श्रेणियों में सुस्पष्ट था। तथापि सेवा क्षेत्र धीमी वृध्दि दर के होते हुए भी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में अपनी साझेदारी में सुधार ला सकता था। वास्तविक स.घ.उ. में सेवाक्षेत्र का प्रतिशतता अंश 1999-2000 में 53.0 प्रतिशत से बढ़ कर 2000-01 में 54.2 प्रतिशत हो गया जबकि इसी अवधि में कृषि का अंश 25.2 प्रतिशत से गिर कर 24.0 प्रतिशत हो गया तथा उद्योग का अंश 21.8 प्रतिशत पर स्थिर रहा।

5. वर्ष 1999-2000 में पिछले वर्ष के मुकाबले सकल घरेलू बचत (स.घ.ब.) (जी.डी.एस.) ने वर्तमान बाजार मूल्य पर न्यूनतम सुधार दर्ज किया है। पिछले वर्ष के 22.0 प्रतिशत के मुकाबले 1999-00 में स.घ.उ. के संदर्भ में 22.3 प्रतिशत की स.घ.ब. न्यूनतम अधिक थी। स.घ.ब. में वृध्दि केवल घरेलू क्षेत्र में बचत में वृध्दि के कारण संभव हो सकी जिसमें 1998-99 में 19.1 प्रतिशत के मुकाबले वर्ष 1999-00 में 19.8 प्रतिशत की वृध्दि हुई जबकि सार्वजनिक क्षेत्र में बचत में 1998-99 में – 0.8 प्रतिशत से 1999-2000 में – 1.2 प्रतिशत की तीव्र गिरावट आई जबकि निजी निगमित क्षेत्र में बचत की दर 3.7 प्रतिशत पर स्थिर रही।

तथापि स.घ.उ. के संदर्भ में आर्थिक परिसंपत्तियों की घरेलू बचतों में 1998-99 में 10.9 प्रतिशत से 1999-2000 में 10.5 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि इसी अवधि में भौतिक परिसंपत्तियों की बचत में 8.2 प्रतिशत से 9.2 प्रतिशत की वृध्दि हुई।

वर्ष के दौरान संविदात्मक बचतों को और बढ़ावा मिला और पिछले वर्ष के मुकाबले घरेलू आर्थिक परिसंपत्तियों में संविदात्मक रुप में बचतों के अंश में वृध्दि हुई। आर्थिक परिसंपत्तियों में घरेलू बचतों में भविष्य तथा सेवानिवृत्ति निधि के अंश में 1998-99 में 21.2 प्रतिशत से 1999-2000 में 23.1 प्रतिशत की वृध्दि हुई।

घरेलू आर्थिक बचतों में बीमा निधि के अंश में महत्वपूर्ण वृध्दि पायी गयी जो 1998-99 में 10.7 प्रतिशत से बढ़कर 1999-2000 में 12.1 प्रतिशत हो गयी। इसी अवधि में घरेलू बचतों में जीवन बीमा का अंश 10.0 प्रतिशत से बढ़कर 11.3 प्रतिशत हो गया। स.घ.उ. के संदर्भ में बीमा निधि में 1998-99 में 1.3 प्रतिशत से 1999-2000 में 1.5 प्रतिशत की वृध्दि हुई। यह घरेलू बचतों में जीवन बीमा की बढ़ती हुई भूमिका दर्शाता है। सकल घरेलू पूंजी संघटन ने नियत घरेलू बचतों की प्रवृति का अनुकरण किया। स.घ.उ. के 1 प्रतिशत पर स्थिर बाह्य बचतों के बावजूद वर्तमान मूल्यों पर सकल घरेलू संघटन में 1998-99 में 21.2 प्रतिशत से 1999-00 में 22.7 प्रतिशत की वृध्दि हुई है।

6. विदेश विनिमय संचय निधि, जिसके अंतर्गत विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियाँ, सोना तथा विशेष प्राप्ति अधिकारी (एस.डी.आर्स) समाविष्ट हैं, में यू. एस. $ 4245 मिलियन (मुल्यांकन परिवर्तन सहित) की वृध्दि हुई तथा विदेश विनिमय संचय निधि मार्च, 2000 को यू. एस. $ 38036 मिलियन से बढ़कर मार्च 2001 को यू.एस. $ 42281 मिलियन हुआ। संचय निधि में, भारतीय

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

PREAMBLE

1. The Life Insurance Corporation of India has pleasure in presenting its 44th Statutory Report under Section 27 of the Life Insurance Corporation Act 1956 in respect of the financial year ended on 31.3.2001.

2. The names of the members of the Corporation and its various committees during the year are given in Appendix I.

ECONOMIC SCENARIO

3. Indian economy has reflected remarkable resilience even in the face of, substantial increase in the international price of crude oil, deceleration in the rate of growth of domestic Industry, Agriculture and Service sectors and adverse social and economic consequence of devastating earth quake in Gujarat by registering a real GDP growth of 5.2 percent during 2000-01. Though this growth rate was lower than the real GDP growth rate of the previous year, yet it was quite favourable, when compared with other developing countries (excluding China) and other developed countries .

4. Economic Reform Programme continued during the year 2000-01 and the Central Government introduced several initiatives covering industry, infrastructure, direct, indirect taxes, fiscal management, financial sector, trade policy, and capital account. The Insurance Regulatory & Development Authority was established, insurance sector was opened up and Corporate Houses, Financial Institutions, Banks and NBFCs were allowed to join the Insurance Market with or without collaboration of Foreign partners.

Real GDP growth rate (at 1993-94 prices) for the year 2000-01 has been estimated at 5.2 percent as against 6.4 percent in 1999-2000 . The deceleration in growth rate of real GDP was due to the decline in growth rate of agriculture, from 0.7 percent in 1999-2000 to 0.2 percent in 2000-01, Industry from 6.1 percent to 5.3 percent and Service sector from 9.4 percent to 7.5 percent during the same period. The slowdown in growth rate of services sector was evident in all categories. However, the Service sector, inspite of experiencing lower growth rate, could improve its overall share in the national economy. The percentage share of service sector in real GDP increased from 53.0 percent in 1999-2000 to 54.2 percent in 2000-01, while the share of Agriculture declined from 25.2 percent to 24.0 percent, and that of Industry remained static at 21.8 percent during the same period.

5. Gross Domestic Savings (GDS) at current market prices registered a marginal improvement in 1999-2000 over the previous year. GDS at 22.3 percent in terms of GDP in 1999-2000 was marginally higher as against 22.0 percent in the previous year. The rise in GDS was possible only on account of increase in savings of household sector, which increased from 19.1 percent in 1998-99 to 19.8 percent in 1999-2000. While there was a steep fall in the saving of the public sector from – 0.8 percent in 1998-99 to -1.2 percent in 1999-2000, rate of savings in Private Corporate Sector being remained static at 3.7 percent.

However, household savings in financial assets in terms of GDP declined from 10.9 percent in 1998-99 to 10.5 percent in 1999-2000, while the savings in physical assets increased from 8.2 percent to 9.2 percent during the same period.

Contractual Savings received a further boost during the year and the share of contractual form of savings in household financial assets increased over the previous year. The share of Provident and Pension Funds in household savings in financial assets increased from 21.2 percent in 1998-99 to 23.1 percent in 1999-2000.

A significant increase was noticed in respect of share of Insurance funds in household financial savings, which increased from 10. 7 percent in 1998-99 to 12.1 percent in 1999-2000. The share of Life Insurance in household savings increased from 10.0 percent to 11.3 percent during the same period. Insurance funds in terms of GDP increased from 1.3 percent in 1998-99 to 1.5 percent in 1999-2000. This indicate the growing role of Life Insurance in household savings .

Gross Domestic Capital Formation followed the trend of rate of gross domestic savings. Gross Domestic Capital Formation at current prices has increased from 21.2 percent in 1998-99 to 22.7 per cent in 1999-2000 inspite of stable external savings at 1 percent of GDP.

6. The foreign exchange reserves comprising foreign currency assets, gold and special drawing rights (SDRs) increased by US $ 4245 million (including valuation changes) and the foreign exchange reserve

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सहस्त्राब्दि जमा, व्यापार निर्यात, साफ्टवेयर निर्यात तथा निजी स्थानांतरण तथा विदेश प्रत्यक्ष निवेश (एफ.डी.आई.) अन्तर्वाह से प्राप्त आय से वृध्दि हुई ।

7. भारत के निर्यात में 2000-01 में हुई वृध्दि मुख्यतः निर्मित उत्पादों, विशेष रुप से अभियांत्रिकी पदार्थो, चमड़े तथा निर्माण, रासायनिक तथा संबध्द उत्पादों तथा पेट्रोलियम उत्पादों के कारण हुई । अमरीका, जापान तथा अरब देशों में 2000-01 में निर्यात में महत्वपूर्ण वृध्दि हुई । निर्यात की सभी वर्गों में उल्लास के साथ वर्ष 2000-2001 में निर्यात वृध्दि दर 19.6 प्रतिशत रहा जो 1999-2000 में 9.5 था । लेकिन आयात वर्ष 2000-2001 में 7 प्रतिशत थी जो वर्ष 1999-2000 में 16.5 प्रतिशत थी जो आयात में घटौती दर्शाती है ।

8. एफ. आय. आय. अंतर्वाह के कारण विदेशी निवेशों में सीमांत घटौती हुई जो वर्ष 1999-2000 में यू. एस. $ 5181 मिलियन से वर्ष 2000-2001 में यू. एस. $ 5099 मिलियन था । एफ.आय.आय. अंतर्वाह में वर्ष 1999-2000 के यू. एस. $ 2135 मिलियन से वर्ष 2000-2001 में यू. एस. $ 1847 मिलियन तक घटौती हुई । तथापि विदेशी सीधे निवेश के अंतर्वाह में वर्ष 1999-2000 के यू. एस. $ 2155 मिलियन की तुलना में वर्ष 2000-2001 में यू. एस. $ 2339 मिलियन तक वृध्दि हुई ।

9. शेयर बाजार में 1999-2000 में देखी गई उत्प्लावक परिस्थितियों के विपरीत वर्ष 2000-2001 के दौरान शेयर मूल्यों में काफी गिरावट आई हैं । मुंबई शेयर बाजार (बी.एस.ई.) सेन्सेक्स तालिका में वर्ष 1999-2000 में 33.7 के मुकाबले वर्ष 2000-2001 में 27.9 प्रतिशत तक गिरा । इसी प्रकार राष्ट्रीय शेयर बाजार (एम.एस.ई.) तालिका में भी वर्ष 1999-2000 41.8 प्रतिशत से वर्ष 2000-2001 में 24.9 प्रतिशत तक गिरा । शेयर मूल्यों में यह उतार विदेशों में शेयर मूल्यों की गतिविधियों के प्रभाव को दर्शाता है ।

10. व्यापक मुद्रा (एम.$_3$) में 2000-01 में, 1999-2000 के 14.6 प्रतिशत के मुकाबले 16.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई । मासिक औसत के आधार पर, एम.3 की वृध्दि दर में (भा.रि.बै./अंतरर्राष्ट्रीय सहस्त्राब्दि जमा (आई.एम.डी.) का कुल) 1998-99 के 18.2 प्रतिशत तथा 1999-2000 के 16.7 प्रतिशत के मुकाबले 2000-01 में 15.0 प्रतिशत की गिरावट आई । पिछले वर्ष में 11.7 प्रतिशत के मुकाबले 2000-01 में जनता के पास मुद्रा में 10.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई । मुख्यतः अंतरर्राष्ट्रीय सहस्त्राब्दि जमा (आई.एम.डी.) अंतर्वाह के कारण 1999-2000 के 13.9 प्रतिशत के मुकाबले अनुसूचित व्यापारिक बैंको की कुल जमा में 18.4 प्रतिशत की अधिक वृध्दि हुई ।

पिछले वर्ष के 8.5 प्रतिशत की तुलना में मांग जमा में 11.9 प्रतिशत की वृध्दि हुई । समयवर्ती जमा वृध्दि शुध्द अंतरर्राष्ट्रीय सहस्त्राब्दि जमा (आई.एम.डी.) का 19.5 प्रतिशत, 1999-2000 के 15.0 प्रतिशत से तुलनीय था । संपूर्ण वर्ष 2000-01 में व्यवसायिक क्षेत्र का बैंक ऋण 1999-2000 के 18.3 प्रतिशत से घटकर 14.8 प्रतिशत हो गया । बैंकिंग क्षेत्र की कुल विदेशी परिसंपत्तियों में अंतरर्राष्ट्रीय सहस्त्राब्दि जमा (आई.एम.डी.) अंतर्वाह के सहारे, 1999-2000 में 15.6 प्रतिशत के मुकाबले 2000-01 में 21.5 प्रतिशत की वृध्दि हुई ।

बिन्दुवार आधार पर, थोक मूल्य तालिका में परिवर्तत के द्वारा नापी गयी मुद्रास्फीति पूरे वर्ष साधारणतः 6 प्रतिशत के उपर रही और जनवरी 13, 2001 में इसने 8.8 प्रतिशत की ऊँचाई को छू लिया । तथापि मार्च, 2001 के पहले सप्ताह में, मुद्रास्फीति 6.5 प्रतिशत तक सामान्य रही और मार्च के अंत में इसमें 4.9 प्रतिशत की तीव्र गिरावट आई जो 1999-2000 के मुकाबले 6.5 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2000-01 में न्यूनतम थी ।

11. भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाली मुख्य समस्या, केंद्रीय तथा राज्य दोनों स्तरों पर निरंतर भारी वित्तीय घाटा है । समस्त केंद्र एवं राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के 10 प्रतिशत कुल वित्तीय घाटे को कम करने की आवश्यकता है । सरकार की वित्तीय अवस्था पर बिना पूर्वाभास के, चुनावों पर खर्च, कश्मीर में 50 दिन के युध्द तथा उड़ीसा में महा-चक्रवात के कारण काफी दबाव रहा । केंद्रीय सरकार का कुल वित्तीय घाटा 1999-2000 में सकल घरेलू उत्पाद के 5.35 प्रतिशत से घटकर 2000-2001 में सकल घरेलू उत्पाद का 5.13 प्रतिशत हो गया । केंद्रीय सरकार के कुल बकाया दायित्व में, जिसमें आंतरिक दायित्व तथा बाहरी ऋण सम्मिलित हैं, सकल घरेलू उत्पाद के समानुपात में, वर्ष 1999-2000 में 52.2 प्रतिशत के मुकाबले 2000-2001 में 53.3 प्रतिशत का मामुली चढाव आया । तदानुसार, मार्च, 2001 के अंत में ऐतिहासिक विनिमय दर के आधार पर आंतरिक दायित्व रु. 1105207 करोड़ के मुकाबले बकाया बाहरी दायित्व रु. 58428 करोड़ थे ।

12. वास्तविक वृध्दि दर में पूर्ण रुप से गिरावट और घरेलू बचत दर में न्यूनतम वृध्दि की पृष्ठभूमि में आंकते हुए वर्ष 2000-01 में जीवन बीमा निगम का कार्य निष्पादन बहुत विशिष्ट था । बीमा क्षेत्र खोल देने तथा नये प्रतिभागियों के बीमा बाजार में प्रवेश के बावजूद जीवन बीमा निगम ने व्यवसाय की 44 वर्ष की अवधि में प्रथम प्रीमियम आय, व्यय अनुपात में काफी सराहनीय कटौती तथा लक्ष्य प्राप्ति में अभी तक की सर्वोत्तम वृध्दि दर प्राप्त की है ।

www.reportjunction.com